

डॉ. गैरी मीडर्स, 1 कुरिन्थियों, व्याख्यान 28, 1 कुरिन्थियों 12-14, आध्यात्मिक उपहारों से संबंधित प्रश्न पर पौलुस का उत्तर, 1 कुरिन्थियों 12-14 का परिचय

© 2024 गैरी मीडर्स और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. गैरी मीडर्स द्वारा 1 कुरिन्थियों की पुस्तक पर दी गई शिक्षा है। यह व्याख्यान 28, 1 कुरिन्थियों 12-14, आध्यात्मिक उपहारों से संबंधित प्रश्नों पर पॉल का उत्तर है। 1 कुरिन्थियों 12-14 का परिचय।

खैर, हमारे व्याख्यान में आपका स्वागत है जो अध्याय 12-14 से शुरू होता है, जो 1 कुरिन्थियों की पुस्तक में अगली प्रमुख इकाई है। हम काफी आगे आ चुके हैं। यह व्याख्यान संख्या 28 है, और आपके पास नोट पैकेट संख्या 14 है, जो पृष्ठ 178 से शुरू होना चाहिए।

इसलिए, व्याख्यान को सबसे अधिक सार्थक बनाने के लिए आपको इन नोट्स को अपने सामने रखना होगा क्योंकि मैं कभी-कभी चीजों को पूरी तरह से लिखता हूँ और आपको चार्ट देता हूँ, जो यह स्पष्ट करने में मदद करता है कि मैं क्या कहने का प्रयास कर रहा हूँ। खैर, अध्याय 12-14 इस तथ्य के कारण काफी प्रसिद्ध हैं कि वे आध्यात्मिक उपहारों के इस प्रश्न से निपटते हैं। पृष्ठ 178 पर अनुभाग सारांश पर ध्यान दें।

पौलुस दो दृष्टिकोणों से आध्यात्मिक उपहारों पर चर्चा करता है, प्रभुता संपन्न प्रभु और प्रेम का नियम। ऐसा लगता है कि कुरिन्थ में समस्याएँ पैदा करने वाला एक उपहार अन्यभाषाएँ थीं। फिर भी पौलुस तर्क देता है कि अन्यभाषाएँ आध्यात्मिकता की अंतिम परीक्षा होने के बजाय, वास्तव में सबसे कम वांछनीय उपहारों में से एक हैं।

उपहार सूची में अंतिम स्थान पर रखे जाने के अलावा, 12-14 का पूरा तर्क यह है कि आध्यात्मिकता के सर्वोच्च प्रदर्शन शिक्षा और प्रेम हैं, न कि भाषाएँ। वास्तव में, भाषाएँ शिक्षा और प्रेम दोनों के लिए बाधा थीं। अधिक प्रत्यक्ष उपहारों की तुलना में, ईसाई सद्गुण का अभ्यास इनमें से कुछ कुरिन्थियों को स्थिर और रंगहीन लगता है।

पॉल की इस विषय पर चर्चा महाकाव्य-निर्माण है। वह यह दिखाते हुए शुरू करता है कि मसीह का प्रभुत्व ही महत्वपूर्ण है, जैसा कि लियोन मॉरिस ने देखा है। इसलिए, हम इन अध्यायों के माध्यम से आगे बढ़ने जा रहे हैं।

अध्याय 12 उपहारों के मुद्दे को उठाता है। अध्याय 13 प्रेम पर एक महान अध्याय है जिसके बारे में हर कोई जानता है। अध्याय 14 इन उपहारों के नियमन से संबंधित है।

लेकिन यह एक इकाई है, और यह अत्यंत महत्वपूर्ण है कि हम इसे एक साथ रखें। अध्याय 13 कोई बाद की सोच या विषयांतर नहीं है, बल्कि यह वह गोंद है जो 12 और 14 को एक साथ रखता है और इस पूरे मुद्दे को समुदाय के बारे में बनाता है, न कि केवल उन व्यक्तियों के बारे में जो सोचते हैं कि शायद वे बेहतर हैं क्योंकि उन्होंने जीभ जैसे किसी बाहरी उपहार का प्रयोग किया है। संरचनात्मक रूप से, रिचर्ड हेस इन अध्यायों में एक त्रि-स्तरीय संरचना देखते हैं।

ईसाई इतिहास में अध्यायों को काफी देर से जोड़ा गया था, और छंद-विन्यास भी उसी श्रेणी में आता है। लेकिन अध्यायों और छंदों को जोड़ना, कुल मिलाकर, उपयोगी रहा है। यह स्पष्ट रूप से मूल रूप से इसलिए किया गया था ताकि लोग चीजें ढूँढ सकें, लेकिन जिन्होंने यह काम किया, उन्होंने अध्याय विभाजन का अच्छा काम किया, हालांकि हमेशा नहीं।

अध्याय 12, 13 और 14 इकाइयाँ हैं, बड़ी इकाइयाँ हैं, और यहीं पर हमारे अध्याय विभाजन होते हैं। अध्याय 12 समुदाय में उपहारों की पूरक भूमिका पर तर्क देता है। उपहार व्यक्तिगत, निजीकृत वस्तुएँ नहीं हैं, बल्कि वे समुदाय की भलाई के लिए हैं।

यह एक ऐसा विषय है जो इन अध्यायों में बार-बार दोहराया जाता है। इस संबंध में शरीर का रूपक एक प्रमुख प्रस्तुति बन जाता है। अध्याय 13 प्रेम को सभी आध्यात्मिक अभिव्यक्तियों को नियंत्रित करने वाले आदर्श के रूप में प्रस्तुत करता है।

प्रेम एक नियामक सिद्धांत है। प्रेम एक ऐसी चीज है जो समुदाय में काम करती है। यह व्यक्तिवादी नहीं है, लेकिन यह व्यक्तिगत भागों के बजाय समग्रता को देखता है।

फिर अध्याय 14 प्रेम की छत्रछाया में उपहारों को नियंत्रित करने के लिए दिशा-निर्देश प्रदान करता है। यह उस अध्याय में आगे बढ़ता रहता है, विशेष रूप से शासित भाषाओं में। यह अब प्रस्तुत समस्या के रूप में उभरता है।

हमें उस समस्या की प्रकृति के बारे में ज़्यादा नहीं बताया गया है क्योंकि हमें अन्य जगहों पर संकेत दिए गए हैं। हम यह मान सकते हैं कि जिन लोगों के पास हैसियत थी, वे शायद अपनी हैसियत बढ़ाने के लिए अन्यभाषा का अभ्यास करते थे। यह एक धारणा होगी, लेकिन कोरिंथियन समुदाय के बारे में अब तक हमने जो देखा है, उसके मद्देनजर यह एक उचित धारणा होगी।

कुछ अन्य संरचनात्मक अवलोकन आप पृष्ठ 178 पर देखेंगे। यह अव्यवस्थित लगता है, लेकिन मैंने आपको यहाँ एक चियास्म दिखाने की कोशिश की है। 12:1-3 में हमारे पास यह कथन है कि यीशु प्रभु है।

इसे अक्सर अनदेखा कर दिया जाता है, लेकिन यह अध्याय 12-14 में जो कुछ हो रहा है उसकी कार्यक्रमिक गति निर्धारित कर रहा है। यीशु प्रभु है। आप देखेंगे कि 14:37-40 इस पूरी इकाई को समाप्त करता है।

हम सिखाते हैं कि यीशु प्रभु हैं। व्यंग्य में एक सादृश्य का उपयोग करने के लिए, यीशु प्रभु हैं क्योंकि यह संचार है जो पॉल चाहता है। यह लोगों को शिक्षित करने के लिए है, न कि किसी ऐसे व्यक्ति को देखने के लिए जो कुछ ऐसा कर रहा है जिसे वे समझते भी नहीं हैं।

उन दो कोष्ठकों के बीच में, यीशु प्रभु हैं, शिक्षा प्रभु है। हमारे पास 12:4-30 है जहाँ एकता और विविधता की भूमिका है। 12:31-13:13, जहाँ हमारे पास प्रेम की प्रधानता है, और वह बीच में आता है क्योंकि प्रभु, प्रभु, सीमाओं पर।

12 :4-30 एकता और विविधता। 14 व्यवस्था के बारे में है। आप उपहारों में एकता को कैसे व्यवस्थित और बनाए रखते हैं? और इस पूरी बात का केंद्र अध्याय 13 में प्रेम का प्रश्न है।

मुझे लगता है कि यह चियास्म की एक वैध प्रस्तुति है, और चियास्म संरचना को दर्शाता है और यह बताता है कि चीजें एक साथ कैसे जुड़ी हुई हैं। इसलिए, यह हमें अध्याय 13 की प्रधानता दिखाता है। यह सिर्फ एक बाद की सोच या इस सब के बीच में फंसी हुई कोई प्यारी सी भक्ति नहीं है, बल्कि यह सार्वजनिक आराधना की अभिव्यक्ति से निपटने का प्रबंध सिद्धांत है।

ठीक है, तो ये कुछ छोटी संरचनात्मक बातें हैं; इनमें से अधिकांश अपेक्षाकृत स्पष्ट हैं, और हम पृष्ठ 178 के निचले भाग से शुरू करते हैं, 1 कुरिन्थियों 12-14 को अब पेरी-डी के साथ चिह्नित किया गया है। वह यूनानी वाक्यांश जिसे हमने बार-बार देखा है, जिसका अक्सर शाब्दिक अनुवाद किया जाता है, अब चिंताजनक है। और इसलिए, पौलुस अध्याय 12 से शुरू करता है, अब आत्मा के उपहारों के बारे में।

1 कुरिन्थियों 12-14 इस बार, पौलुस कोई मूल प्रश्न या कोई नारा नहीं देता जिसका वह उत्तर देता है। समस्या स्पष्ट हो जाती है, लेकिन इस बार, यह प्रश्न का उत्तर नहीं है, बल्कि यह उपहारों की अभिव्यक्ति के समग्र मुद्दों का उत्तर है। हम यहीं, शुरुआत में, इससे पहले कि हम इस पर बहुत आगे बढ़ें, कह सकते हैं कि ये सक्रिय उपहार थे और वे आराधना करने के वैध तरीके थे।

पॉल कभी नहीं कहता कि वे नहीं थे, लेकिन वह उन्हें नियंत्रित करता है। और मैं बाद में फिर से इसका उल्लेख करूंगा, यह वास्तव में मेरे लिए बहुत दिलचस्प है कि केवल एक बार जब हमने इसे नए नियम में कहा और निपटाया है, तो वह यहाँ है। इफिसियों की पुस्तक में पादरी, जो व्यवस्था और कार्य के बारे में दो प्रमुख चर्च पुस्तकें हैं, ने इसका कभी उल्लेख नहीं किया।

और यह मेरे लिए दिलचस्प है क्योंकि वे संभवतः 1 कुरिन्थियों में इन मुद्दों के बाद आते हैं। इसके परिणामस्वरूप, आप कुछ चिंतन की अपेक्षा करेंगे। शायद कुरिन्थ ही एकमात्र ऐसा स्थान था जहाँ सार्वजनिक उपासना बिल्कुल इसी तरह होती थी।

हम नहीं जानते, लेकिन यह एक अवलोकन है कि यह अन्यत्र नहीं आता है, विशेष रूप से पादरी प्रकार के लेखन में। सभी पत्र पादरी संबंधी हैं, लेकिन पादरी संबंधी पत्रों में, 1 तीमुथियुस, 2 तीमुथियुस और तीतुस, और इफिसियों की पुस्तक में, जिसमें कुछ प्रमुख, प्रमुख पादरी संबंधी पहलू हैं, विशेष रूप से अंतिम आधे भाग में, यह नहीं है। यह मेरे लिए आकर्षक है।

ठीक है, आध्यात्मिक उपहार और प्रभुता सम्पन्न, अध्याय 12. हम अपने विश्लेषण की शुरुआत नए नियम में आध्यात्मिक उपहारों के बारे में कुछ सामान्य टिप्पणियों से करते हैं। आइए हम आयतों की बारीकियों पर जाने से पहले इसे सामान्य रूप से देखें।

हम पृष्ठ 179 पर खुद से पूछ सकते हैं, उपहार क्या है? उपहार शब्द 1 कुरिन्थियों 12 से 14 की अवधारणा को स्पष्ट रूप से व्यक्त नहीं करता है। खास तौर पर, कम से कम पश्चिमी संस्कृति में, क्रिसमस और जन्मदिन के विकास के कारण हमारी संस्कृति में उपहार शब्द का इस्तेमाल किया जाता है, जब आपको उपहार दिए जाते हैं। यही वह बात है जो ज्यादातर लोग उपहार शब्द सुनते ही तुरंत सोचते हैं।

वे उस संबंध में उन्हें दी गई किसी चीज़ के बारे में सोचते हैं। और जबकि उपहार किसी तरह से भगवान की ओर से एक उपहार है, वे क्रिसमस उपहारों की तरह नहीं हैं। इसलिए हमें अपने स्वयं के परिवेश और संस्कृति से उपहार शब्द के बारे में अपने मन में जो कल्पना करते हैं, उसके बारे में बहुत सावधान रहना चाहिए।

वास्तव में, इस अध्याय में उपहार शब्द कभी नहीं आता। तार्किक रूप से, यह आध्यात्मिक करिश्मे को संदर्भित करने वाले अन्य शब्दों के लिए दिया गया शब्द है। लेकिन उपहार के लिए शब्द, जो कि नए नियम में एक आम शब्द है, डोरोन , कभी नहीं आता।

और इसलिए, हमें इस बात को लेकर बहुत सावधान रहना होगा कि यह हमारे सामने कैसे चित्रित किया जाता है। इन अध्यायों में दो ग्रीक शब्द प्रमुख हैं। शब्द न्यूमेटिकोस ।

न्यूमेटिकोस एक विशेषण है। यह न्यूमा शब्द से बना है। आप शायद जानते होंगे, आपने न्यूमा के बारे में सुना होगा।

यह आत्मा के लिए शब्द है। इसमें हवा और सांस भी शामिल है। और इसमें मानवीय आत्मा, पवित्र आत्मा भी शामिल है।

शब्द न्यूमा का प्रयोग पवित्र आत्मा के लिए किया जाता है। लेकिन यदि आप इसे विशेषण रूप में रखते हैं, न्यूमेटिकोस , तो यह आध्यात्मिक शरीर जैसी किसी चीज़ को संशोधित करता है। हम 1 कुरिन्थियों 15 में देखेंगे।

मूसा और जंगल में भटकने के बारे में बातचीत आध्यात्मिक भोजन है। और इसलिए आध्यात्मिक करिश्मा, करिश्मा शब्द का अनुवाद उपहार के रूप में किया जाता है। और यह दूसरा शब्द है।

करिश्मा शब्द ज़ारिस से आया है, जिसका अर्थ है अनुग्रह। यह एक संज्ञा है, लेकिन यह वह शब्द है जिसका संबंध अनुग्रह और उपहारों से है। आप उपहार शब्द से दूर नहीं जा सकते, भले ही मुझे यह शब्द पसंद न हो।

आप इससे दूर नहीं जा सकते। जैसा कि मैंने कहा, न्यूमेटिकोस शब्द एक विशेषण है जिसका अर्थ आध्यात्मिक है। यह व्यक्तियों को संदर्भित कर सकता है।

नए नियम में इस शब्द के लगभग 30 उपयोगों में से चार अंश, केवल चार अंश हैं। यह आपके लिए शब्द अध्ययन करने के लिए एक अच्छा शब्द है। आप पाएंगे कि यह मुख्य रूप से एक पॉलिन शब्द है।

यह एक ऐसा शब्द है जो 1 कुरिन्थियों की पुस्तक में प्रमुखता से पाया जाता है और अन्य स्थानों पर बहुत कम। आध्यात्मिक शब्द का प्रयोग कभी भी यीशु के संबंध में नहीं किया जाता है। लेकिन अगर आप आध्यात्मिक होने का अर्थ जानने के लिए अध्ययन करने जा रहे हैं, तो आप निश्चित रूप से यीशु के बारे में बात करना चाहेंगे।

तो, एक शब्द पूरे क्षेत्र को कवर नहीं करता है। यह एक पहलू है। और किसी भी कारण से, यह 1 कुरिन्थियों की पुस्तक में बहुत महत्वपूर्ण हो जाता है।

केवल चार स्थान। वैसे, उन चार स्थानों का उल्लेख ग्रीक बाइबिल पर बाउर-अर्न्ट गिंगरिच-डैंकर शब्दकोश में किया गया है। और इसलिए यह पुष्टि करने के लिए एक बहुत ही महत्वपूर्ण संदर्भ है कि इन चार स्थानों को आध्यात्मिक लोगों के संदर्भ में देखा जाता है।

इस पर व्याख्यात्मक रूप से कुछ बहसों हैं, लेकिन कम से कम यह एक अच्छा स्रोत है, और वे यहाँ हैं। यह किसी व्यक्ति को संदर्भित कर सकता है। यह किसी चीज़ को संदर्भित कर सकता है, जैसे कि 1 कुरिन्थियों 15 में पुनरुत्थान शरीर, जिसे हम देखेंगे।

या आत्मा के क्षेत्र में, जैसे कि ये तथाकथित उपहार। 1 कुरिन्थियों 12 से 14 में, उपहार शब्द को न्यूमेटिकोस, आध्यात्मिक के साथ प्रदान किया गया है। यह आध्यात्मिक होगा।

लेकिन यह समझ में नहीं आता, इसलिए आपको कुछ तो देना ही होगा। खैर, अंग्रेज़ी अनुवादों में किसी ने आध्यात्मिक अनुग्रह जैसे नए शब्द को बनाने के बजाय उपहार शब्द को शामिल करने का फैसला किया। या अभिव्यक्ति शब्द बेहतर होगा, जैसा कि हम इस अध्याय में परिभाषित श्लोक में देखेंगे।

अध्याय 12:1, शाब्दिक रूप से, अब आध्यात्मिकों के बारे में। लेकिन चूँकि यह शब्द पुल्लिंग या नपुंसक हो सकता है, इसलिए यह आध्यात्मिक चीज़ें या शब्द उपहार हो सकता है जो प्रदान किए गए हैं। जैसा कि मैंने कहा, अभिव्यक्तियाँ शब्द एक अच्छा शब्द होगा।

या फिर यह आध्यात्मिक व्यक्ति हो सकते हैं, जो किसी खास तरीके से प्रतिभाशाली हैं। यह 12:2 और 3 के प्रकाश में मर्दाना हो सकता है, जो लोगों को संबोधित करता है। इसलिए, हम जहाँ भी जाते हैं, वहाँ यह होता है, और यदि आप इन अधिक विस्तृत टिप्पणियों, वास्तविक टिप्पणियों को पढ़ रहे हैं, तो आप देखेंगे कि लगभग हर वाक्यांश, हर शब्द विवादित है।

ऐसा नहीं है कि यह विवादास्पद है, लेकिन इसे स्पष्टीकरण की आवश्यकता है। और जब आपके पास उच्चतम स्तरों पर योग्य विद्वानों की एक श्रृंखला होती है, तो आपको चीज़ों का वर्णन करने के तरीके पर कुछ विभिन्न दृष्टिकोण मिलेंगे। ठीक है, करिश्मा शब्द।

यह एक नपुंसक संज्ञा है। याद रखें, अगर आपने ग्रीक भाषा का बिल्कुल भी अध्ययन नहीं किया है तो आपको यह बात शायद पता न हो, लेकिन ग्रीक लैटिन की तरह ही है। यह एक लिंग भाषा है।

आपके पास पुल्लिंग, स्त्रीलिंग और नपुंसक लिंग है। लिंग का इस बात से कोई लेना-देना नहीं है कि शब्द क्या दर्शाता है। पाप के लिए शब्द एक स्त्रीलिंग शब्द है।

खैर, इसका मतलब यह नहीं है कि केवल महिलाएं ही पाप करती हैं। और इसलिए, आपको सावधान रहना होगा। आत्मा के लिए शब्द एक नपुंसक शब्द है।

न्यूमा एक नपुंसक संज्ञा है। इसका मतलब यह नहीं है कि आत्मा एक व्यक्ति के बजाय एक वस्तु है। आपको लिंग के बारे में हमारे सामान्य विचार को इन ग्रीक शब्दों से अलग करना होगा क्योंकि पुल्लिंग, स्त्रीलिंग और नपुंसक शब्दों में संज्ञा और विशेषण के रूप में वे श्रेणियाँ होती हैं, लेकिन इसका लिंग के सवाल से कोई लेना-देना नहीं है।

इसका संबंध केवल व्याकरण से है, और उन्हें लिंग भेद के आधार पर पार्स किया जाता है, लेकिन यह एक व्याकरणिक बात है। यह कोई वास्तविकता वाली बात नहीं है। यह संज्ञा उस मूल शब्द से ली गई है जिसका अर्थ अनुग्रह है।

आध्यात्मिक क्षेत्र में, यह ईश्वरीय उपस्थिति, ईश्वरीय गतिविधि, ईश्वरीय शक्ति या ईश्वरीय अनुग्रह की विशेष अभिव्यक्ति को दर्शाता है। इन दोनों शब्दों को एक साथ जोड़ा गया है। रोमियों 1:11 में, जहाँ पौलुस ने रोमियों से कहा कि वह उन्हें संबोधित करने में सक्षम नहीं था, और वह कहता है, इसकी प्रत्याशा में, क्योंकि मैं तुमसे मिलने के लिए तरस रहा हूँ ताकि मैं तुम्हें कुछ आध्यात्मिक उपहार दे सकूँ ताकि तुम स्थिर हो जाओ।

और इसलिए यहाँ, मैं आपको एक न्यूमेटिकन करिश्मा, आध्यात्मिक करिश्मा प्रदान कर सकता हूँ। आध्यात्मिक संज्ञा करिश्मा को संशोधित करता है, और इसका अनुवाद आध्यात्मिक उपहार है, भले ही यह वास्तव में बहुवचन में है। वास्तव में, यह यहाँ एकवचन में है, और आप जानते हैं कि विशेषण से यह नपुंसक की तुलना में आसान है, आध्यात्मिक उपहार।

अंत तक आप स्थापित हो सकते हैं। विशेषण संज्ञा के साथ शाब्दिक रूप से आध्यात्मिक करिश्मा, वहाँ आपके पास यह है। आपको अनुवाद से निपटना होगा।

बिल्कुल शाब्दिक अनुवाद जैसी कोई चीज़ नहीं होती क्योंकि, आमतौर पर, इसका कोई मतलब नहीं होता। आपको शब्दों से निपटना होगा। ठीक है, उपहार के लिए सामान्य ग्रीक शब्द, डोरोन , इनमें से किसी भी उपहार सूची में नहीं आता है।

जबकि उपरोक्त शब्दों का लगभग सार्वभौमिक रूप से एक उपहार के रूप में अनुवाद किया जाता है, चाहे आप इसे प्रदान करें या आप करिश्मा का अनुवाद उस रूप में करें, और कभी-कभी आप इसे उस शब्द के साथ भी प्रदान करते हैं जब इसका अकेले उपयोग किया जाता है।

यह अंग्रेजी अनुवाद एक गैर-आलोचनात्मक पाठक के मन में विचारों की एक श्रृंखला को उभारता है जो पाठ का उद्देश्य हो भी सकता है और नहीं भी। इसलिए कृपया उपहार दिए जाने की अपनी सांस्कृतिक समझ को रद्द करें।

इससे छुटकारा पाएँ और इस अध्याय में एक साफ स्लेट के साथ आएँ, और अध्याय के भीतर क्या चल रहा है, इसे समझने की कोशिश करें। तो यह शब्दों के संदर्भ में उपहार क्या है, इसका एक उत्तर है। लेकिन अब हम पूछना चाहते हैं कि हम इस न्यूमेटिकॉन को कैसे परिभाषित करते हैं ज़ारिस्मा ? अध्याय 12 से 14 के संदर्भ में आध्यात्मिक उपहार की परिभाषा वास्तव में अध्याय 12 और श्लोक 7 में है। यह सबसे अच्छा श्लोक है, यह श्लोक इस तरह से डिज़ाइन किया गया है कि यह सब एक साथ लाया जा सके।

12:7. अब, प्रत्येक को, सामान्य भलाई के लिए आत्मा की अभिव्यक्ति दी गई है। 12:7, आत्मा की अभिव्यक्ति, शाब्दिक है, और प्रत्येक को सामान्य भलाई के लिए आत्मा की अभिव्यक्ति दी गई है।

यहाँ, अभिव्यक्ति का उपयोग किया गया है, और यह अभिव्यक्ति को संशोधित करने के लिए आत्मा का उपयोग करता है। एक जननवाचक संज्ञा एक विशेषण की तरह है, लेकिन यह हमारे दोनों शब्दों में से किसी का भी उपयोग नहीं करता है। लेकिन यह हमें बता रहा है कि इन उपहारों के संबंध में यहाँ क्या चल रहा है।

आइए इस बारे में एक पल के लिए सोचें। अब, हर एक के लिए, आत्मा की अभिव्यक्ति है। आध्यात्मिक उपहारों का वर्णन और परिभाषा करने के लिए आपको इसी वाक्यांश का सहारा लेना चाहिए।

वे आत्मा की अभिव्यक्तियाँ हैं। अब, इसके लिए अपने आप में थोड़ी व्याख्या की आवश्यकता है, और हम इसके बारे में बात करेंगे। तो, जब हम इस परिभाषा को तोड़ते हैं, तो इसकी कुछ विशेषताएँ क्या हैं? सबसे पहले, 179 के अंत में, आत्मा की अभिव्यक्ति एक क्षमता या सेवकाई है जिसे आत्मा विश्वासियों के भीतर साकार करती है और जो आत्मा की उपस्थिति को प्रकट करती है।

यीशु ने कहा, उनके फलों से तुम उन्हें पहचानोगे। खैर, मण्डली में होने वाली गतिविधियों से, आप जान जाएँगे कि आत्मा सक्रिय है या नहीं, क्योंकि मण्डली में होने वाली गतिविधियाँ बाइबल की शिक्षाओं को दर्शाती हैं कि आत्मा किस तरह से बढ़ेगी - प्रेम, आनन्द, शांति, आत्मा के फल की तरह, इस तरह की चीज़ें।

आप आत्मा को एक व्यक्ति के रूप में खोजने की कोशिश नहीं कर रहे हैं। आप उन अभिव्यक्तियों को खोजने की कोशिश कर रहे हैं जो आत्मा उत्पन्न करेगी। उदाहरण के लिए, शरीर के कार्य, यदि आप किसी मण्डली में जाते हैं और आपको इस तरह की चीज़ें मिलती हैं, तो आप जानते हैं कि यह आत्मा का काम नहीं है।

यह शरीर का है। यह शारीरिक प्रकृति का है। लेकिन अगर आप आत्मा की विशेषताओं को देखते हैं, आत्मा जो चीज़ें उत्पन्न करती है, वह सबूत है।

उनके फलों से तुम उन्हें पहचानोगे। तुम एक पेड़ को देखकर जानोगे कि वह पेड़ क्या है। तुम लोगों को देखकर जानोगे कि वे कौन हैं।

यह एक तरह से, जब हम आत्मा की इन अभिव्यक्तियों के बारे में बात करते हैं, और हम मण्डलियों और लोगों के संबंध में आत्मा के बारे में बात करते हैं, तो हम धार्मिक भाषा के रूप में जानी जाने वाली भाषा का उपयोग कर रहे हैं। यह एक वर्णन है। आइए थोड़ी देर में इसके बारे में थोड़ा और सोचें।

ठीक है, अब आप देखेंगे कि मैंने यहाँ कहा है कि सिआम्पा, अगर मैं उसका नाम सही ढंग से उच्चारण कर रहा हूँ, उससे कभी नहीं मिला, इसे व्यक्तिपरक जननात्मक कहते हैं। वे अभिव्यक्तियाँ हैं जो आत्मा उत्पन्न करती है। यदि आप ग्रीक के छात्र नहीं हैं, तो ग्रीक में जननात्मक मामला एक बहुत ही उत्पादक मामला है जिसे हम व्याख्या कहते हैं।

ग्रीक भाषा का अधिकांश भाग सिर्फ़ व्याकरण है, लेकिन जननात्मक का उपयोग करने का एक विशेष तरीका है, और यह बहुत व्याख्यात्मक हो जाता है। और जननात्मक मामले में जिसे व्यक्तिपरक और वस्तुनिष्ठ जननात्मक के रूप में जाना जाता है। कुछ व्याकरणिक निर्माणों में इसकी आवश्यकता होती है।

एक व्यक्तिपरक जननात्मक का अर्थ है कि जननात्मक क्रिया उत्पन्न करता है। एक वस्तुनिष्ठ जननात्मक का अर्थ है कि जननात्मक क्रिया को प्राप्त करता है। इसलिए, यदि आप जानते हैं कि जननात्मक क्या है, तो आप पूछते हैं, क्या यह इसे उत्पन्न करता है या इसे प्राप्त करता है? और यहाँ वह कह रहा है कि यह इसे उत्पन्न करता है, कि आत्मा उपहारों को उत्पन्न करती है।

अब इसे ध्यान में रखें क्योंकि हम यहाँ आगे बढ़ते हैं - दूसरा बुलेट। सवाल यह है कि क्या यहाँ जननात्मक न्यूमेटिकोस को उद्देश्य के रूप में लिया जाना चाहिए? अर्थात्, उपहार समुदाय में दूसरों के लिए आत्मा को प्रकट करता है, और यह आत्मा, जैसा कि यह था, हमारे नैतिक व्यवहार को प्राप्त करती है।

और इसलिए, जब लोग हमें पेड़ के रूप में देखते हैं, तो वे फल देखते हैं। ठीक है। या यह व्यक्तिपरक है, यानी, आत्मा समुदाय में क्या पैदा करती है।

अब, आम तौर पर, मुझे लगता है कि हर कोई मानता है कि यह व्यक्तिपरक है, आत्मा उत्पन्न करती है। क्योंकि आध्यात्मिकता के बारे में हमारा कभी-कभी गैर-आलोचनात्मक दृष्टिकोण यह है कि अगर आत्मा प्रेरित नहीं करती या हमारे कपाल में आकर बात नहीं करती और इस तरह की चीज़ें नहीं करती तो कुछ भी नहीं होता। इस संबंध में आध्यात्मिकता के बारे में हमारा दृष्टिकोण बहुत ही रहस्यमय है।

और वास्तव में इस पर सवाल उठाने की जरूरत है। आध्यात्मिकता कैसे घटित होती है? और यह क्या है? हम जानते हैं कि इसमें ईश्वर शामिल है। मेरा मतलब है, यह एक स्पष्ट दावा है।

लेकिन सवाल यह है कि हम आध्यात्मिक कैसे हैं? आत्मा इन चीजों को कैसे उत्पन्न करती है? शरीर के कामों जैसी सूची के प्रति हमारी आज्ञाकारिता हमें आध्यात्मिक या शारीरिक कैसे बनाती है? आप देखते हैं कि धार्मिक भाषा को समझना हमारे लिए बहुत मुश्किल है। अब, कोई भी अर्थ संदर्भ के अनुकूल होगा। आप व्यक्तिपरक या वस्तुनिष्ठ हो सकते हैं।

आत्मा उत्पादन करती है, आत्मा ग्रहण करती है, इस अर्थ में कि हम जो करते हैं वह आत्मा को प्रतिबिंबित करता है और इसलिए, आध्यात्मिक है। यह किसी भी दिशा में जा सकता है। और जब आप किताबें पढ़ेंगे, तो आपको विद्वान मिलेंगे जो एक या दूसरी दिशा में जाएंगे।

देखिए, यह व्याख्यात्मक है। ऐसा नहीं है कि ग्रीक हमें बता रहा है। ग्रीक हमें निर्णय लेने का अवसर देता है।

और मुझे यहीं कहना चाहिए कि ग्रीक भाषा जानने से धरती पर सभी व्याख्यात्मक और धार्मिक प्रश्न हल नहीं होते। ग्रीक भाषा जानने से उन समस्याओं का समाधान और भी जटिल हो जाता है। भाषा अपने आप में कोई जादुई छड़ी नहीं है जो सब कुछ हल कर दे।

न तो हिब्रू और न ही ग्रीक। यह आपको समाधान की तलाश करते समय अधिक विशिष्ट होने में मदद करता है। लेकिन यह जरूरी नहीं कि यह अपने आप में समस्या का समाधान कर दे।

यह एक व्याख्यात्मक मुद्दा है। यह एक संदर्भगत मुद्दा है। और मनुष्य इसमें कुछ बोझ लेकर आने वाले हैं।

इसलिए, हमारे पास अलग-अलग उत्तर हैं। नंबर तीन। जननात्मक उद्धार संभवतः ऑपरेशन के बारे में अधिक वस्तुनिष्ठ है, जो सार्वजनिक रूप से आत्मा को प्रकट करता है।

इस प्रकार, सजीव शक्ति और उद्देश्य एक ही है, भले ही सार्वजनिक क्षेत्र में घटनाएँ विविध रूप लेती हों। थिसलटन।

थिसलटन ने इस श्लोक का अनुवाद इस प्रकार किया है कि प्रत्येक व्यक्ति को सामान्य लाभ के लिए आत्मा की अभिव्यक्ति दी जा रही है। अगली बात। आध्यात्मिक भाषा की प्रकृति जिसके बारे में मैं बात कर रहा हूँ, उस पर विचार किया जाना चाहिए।

चर्च की छत्रछाया में, जिसमें हम मानते हैं कि आत्मा सशक्त है, आध्यात्मिक उद्देश्यों के लिए समुदाय को बढ़ाने वाली हर गतिविधि को धार्मिक भाषा में आत्मा को श्रेय दिया जाता है। भले ही, कभी-कभी, किसी इंसान के पास जो प्रतिभा या उपहार या उपहार होता है, वह जीवन में इंसान की यात्रा का उत्पाद हो सकता है, यह अभिव्यक्ति हो सकती है। यह स्वाभाविक है, लेकिन क्योंकि यह छत्रछाया के नीचे है, इसलिए यह आध्यात्मिक है।

आत्मा की कार्य-कारणता और हम लोगों की कार्य-कारणता का विश्लेषण करना, जो ईश्वर को जानते हैं और आध्यात्मिक कार्य करते हैं, बहुत मुश्किल है, अगर असंभव नहीं है। लेकिन हम हमेशा ईश्वर को श्रेय देने में चूक जाते हैं। उदाहरण के लिए, यदि आप गाड़ी चला रहे हैं, और विशेष रूप से दक्षिण-पश्चिम फ्लोरिडा में, जहाँ मैं रहता हूँ, ड्राइविंग का जंगली पश्चिम, और आप एक स्टॉपलाइट पर आते हैं और आपको हरी बत्ती दिखाई देती है।

मैं यह नहीं मानता कि मेरे पास हरी बत्ती है इसलिए कोई नहीं आ रहा है। ऐसी धारणाएँ दुर्घटना का कारण बन सकती हैं और आपकी जान भी जा सकती है क्योंकि मेरी दुनिया में लोग लाल बत्ती को पानी की तरह चलाते हैं। अब, अगर मैं हरी बत्ती के पास पहुँच गया और स्टॉपलाइट के बारे में अपनी सामान्य आलोचनात्मक सोच रखने लगा, तो हो सकता है कि कोई बेवकूफ़ ही इस चीज़ को चलाने वाला हो।

यह बहुत महत्वपूर्ण है। और मैं देखता हूँ, और मैं देखता हूँ, शायद इस बार मुझे पुलिस की गाड़ी दिखाई दे, लेकिन आप सायरन नहीं सुन सकते। सायरन, सायरन, आप जानते हैं कि यह अमेरिका के दक्षिण में है, यह दो शब्द हैं, सायरन।

और आप उसे सुन नहीं पाते, लेकिन आप उसे देख लेते हैं, और रुककर दुर्घटना से बच जाते हैं। या हो सकता है कि आप पुलिस की कार को पीछा करते हुए देखते हैं, और पुलिस उस कार के पीछे खड़ी होती है, और वह कार लाल बत्ती पार कर जाती है। और क्योंकि आपने गंभीरता से सोचा, आप रुक गए और शायद एक घातक दुर्घटना से बच गए।

जब ऐसा होता है तो आप क्या करते हैं? भगवान, आपका धन्यवाद। है न? मैं करता हूँ। लेकिन मैं उस दुर्घटना से क्यों बच गया? क्या मैं ईश्वरीय मार्गदर्शन के कारण बच गया, या मैं आलोचनात्मक सोच के अभ्यास के कारण बच गया? संभवतः उत्तरार्द्ध।

क्योंकि कुछ लोग, कुछ अच्छे लोग, मुझसे बेहतर कुछ लोग प्रकाश में आने पर बिना सोचे-समझे मर जाते हैं। इसलिए, जब हम ईसाई होते हैं, तो हम इस छत्रछाया में रहते हैं कि जीवन में हमारे साथ होने वाली हर अच्छी चीज़ के लिए, खास तौर पर उन चीज़ों के लिए जो हमें डराती हैं, हम ईश्वर को धन्यवाद देते हैं, और हमें ऐसा करना भी चाहिए। लेकिन साथ ही, क्या वह उस विचार का कारण था, या हम उस विचार का कारण थे? इससे कोई फ़र्क नहीं पड़ता।

हम अभी भी भगवान का शुक्रिया अदा करते हैं, है न? खैर, आध्यात्मिक अभिव्यक्तियों के बारे में क्या? अगर हम किसी समुदाय में प्यार दिखाते हैं, तो क्या यह इसलिए है क्योंकि भगवान ने हमें ऐसा करने के लिए कहा है, या इसलिए क्योंकि हमने ईसाई होने के नाते अपनी परिपक्वता के कारण ऐसा किया है? आप देखिए, इन चीज़ों का विश्लेषण करना न केवल कभी-कभी बेहद मुश्किल होता है, बल्कि शायद असंभव भी हो, लेकिन यह आवश्यक नहीं है क्योंकि, ईसाई होने के नाते, हम चर्च, भगवान की छत्रछाया में रहते हैं, और इसलिए हम हमेशा कार्य-कारण का विश्लेषण किए बिना उसे श्रेय देते हैं। अब, यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण विचार है। यह आपको अजीब लग सकता है।

यह आपके लिए नया हो सकता है, लेकिन यह एक अत्यंत महत्वपूर्ण विचार है - आध्यात्मिक भाषा की प्रकृति। बाइबल को समझने में बहुत सी गलतियाँ की जाती हैं क्योंकि बाइबल का सामान्य पठन रूपकों को नहीं समझता है, और लगभग सभी आध्यात्मिक भाषा रूपकात्मक होती है।

इस पर किताबें लिखी गई हैं। आप जाकर उन्हें ढूँढ सकते हैं, ठीक है? अब, चलिए आगे बढ़ते हैं। आत्मा हर उस गतिविधि को सशक्त बनाती है जो समुदाय को बढ़ाती है।

पृष्ठ 180. आध्यात्मिक उद्देश्यों के लिए, धार्मिक भाषा में इसका श्रेय आत्मा को दिया जाता है, भले ही, कभी-कभी, प्रतिभा या उपहार जीवन में किसी इंसान की यात्रा का उत्पाद हो सकता है। एक संगीतकार, एक एकाउंटेंट, एक वक्ता, कोई ऐसा व्यक्ति जो मदद करता है और सांत्वना देता है।

आगे बढ़ते रहें। अपनी क्षमताओं के साथ सेवा करने के लिए, जो शायद आपके पास जन्म से लेकर विकास तक पूरे जीवन में रही हैं, जब आप चर्च की छत्रछाया में आते हैं, तो उन मानवीय क्षमताओं का प्रयोग आध्यात्मिक उपहार बन जाता है और आपके लिए और उनके लिए चर्च को उपहार बन जाता है ताकि वे ठीक से काम कर सकें। मुझे लगता है कि हमें उपहारों के रहस्यवाद से छुटकारा पाने की जरूरत है।

उपहार कार्य हैं, और छत्र के नीचे कार्य आत्मा की अभिव्यक्तियाँ हैं। आप एक आध्यात्मिक चौकीदार हो सकते हैं। भगवान जानता है कि चौकीदार एक छोटे चर्च में पादरी के लिए सबसे महान उपहारों में से एक है, या आप अपना समय शौचालय साफ करने और फर्श पोंछने में बिताने जा रहे हैं।

धार्मिक भाषा में आध्यात्मिक उद्देश्यों का श्रेय आत्मा को दिया जाता है, भले ही, कभी-कभी, प्रतिभा या उपहार किसी व्यक्ति की जीवन यात्रा का उत्पाद हो सकता है। चर्च की छत्रछाया में अपनी क्षमताओं के साथ सेवा करना आध्यात्मिक उद्देश्यों और आध्यात्मिक निर्माण के लिए एक व्यक्ति के रूप में अपनी प्रतिभा का प्रयोग करना है। अब, हमें इन सभी को एक साथ लाने के लिए कुछ अन्य मुद्दों पर बात करने की जरूरत है, लेकिन मैं बस इस बात पर जोर देना चाहता हूँ कि आपको इन चीज़ों के बारे में बहुत गहराई से सोचने की जरूरत है जिनके बारे में हमने अभी बात की है।

चर्च में प्रतिभाशाली व्यक्ति सतह पर रिसते हैं। यह एक रूपक है, रिसना। आप शायद यह भी नहीं समझ पाएँगे कि इसका क्या मतलब है क्योंकि आपने कभी रिसने वाला यंत्र नहीं देखा है।

मेरे शुरुआती सालों में, परकोलेटर एक कॉफ़ी पॉट था जिसमें पानी चक्रीय तरीके से ग्राउंड से रिसता था और कॉफ़ी बनती थी। और ऐसे परकोलेटर थे जिन्हें आप स्टोव पर सेट करते थे, परकोलेटर जिन्हें आप प्लग इन करते थे। यह पहले की बात थी, और आजकल आपके पास परकोलेटर की जगह एस्प्रेसो मशीनें हैं।

तो, यह एक रूपक है। यह विचार है कि प्रतिभाशाली व्यक्ति मंत्रालय के बीच में अपनी सतह पर फैलते हैं। ध्यान दें कि मैंने मंत्रालय के बीच में कैसे जोर दिया है।

आज सूखा, क्षमा करें। आत्मा के आंतरिक कार्य के परिणामस्वरूप और आध्यात्मिक समुदाय की परिणामी छवि के लिए मंत्रालय के बीच में रिसना। हम आध्यात्मिक हैं और समुदाय आध्यात्मिक है क्योंकि हम करते हैं, करते हैं, हम अपने समुदाय को बढ़ाने और अपनी दुनिया तक पहुँचने के लिए आध्यात्मिक चीजें करते हैं।

आइए नए नियम में आध्यात्मिक उपहारों का एक छोटा सा अवलोकन करें। इसमें ज़्यादा समय नहीं लगेगा क्योंकि हमारे पास यहाँ बहुत ज़्यादा जानकारी नहीं है। पृष्ठ 180 पर इस अवलोकन पर ध्यान दें।

नए नियम में इस्तेमाल किए गए शब्द। उपहार शब्द को हमने अपनी भाषा में उपहार के रूप में समझा है, लेकिन इसका इस्तेमाल कभी नहीं किया गया है, जैसा कि हमने ग्रीक में बताया है, लेकिन अनुवादकों द्वारा निम्नलिखित निर्माणों के लिए इसका इस्तेमाल किया गया है। उपहार ग्रंथों में निर्दिष्ट उपहार या ग्रीक पदनाम इस प्रकार हैं।

सबसे पहले, विशेषण न्यूमोंटिकस आध्यात्मिक के लिए शब्द है जैसा कि हमने बात की है। आपको 1 कुरिन्थियों 12 और 14 में आध्यात्मिक उपहार मिले हैं। यह ज्यादातर एक विशेषण, आध्यात्मिक शरीर, आध्यात्मिक भोजन, आध्यात्मिक गीत, आध्यात्मिक आशीर्वाद आदि के रूप में कार्य करता है।

यह एक विशेषण है। कृपया इस बात पर ध्यान दें कि यह शब्द एक विशेषण कैसे है। इसका मतलब है कि यह किसी चीज़ का वर्णन करता है।

चार बार यह विश्वासियों को आध्यात्मिक के रूप में संदर्भित करता है और हर संदर्भ आध्यात्मिकता को परमेश्वर के वचन के साथ सहसंबंध के रूप में देखता है। उन संदर्भों का अध्ययन करें, उनमें से तीन कुरिन्थियों में हैं, उनमें से एक गलातियों में है। उनमें से प्रत्येक संदर्भ आध्यात्मिक व्यक्ति को ऐसे व्यक्ति के रूप में स्थापित करता है जो परमेश्वर की आज्ञा का पालन करता है और बाइबिल की सच्चाई से संबंधित है। तो, शब्द न्यूमोंटिकस ।

अब , शब्द करिश्मा। कुछ अनुग्रहपूर्वक दिया गया।

अनुग्रह, कृपा। इसका उपयोग रोमियों में मोक्ष शब्द के लिए किया गया है। रोमियों में आशीर्वाद और विशेषाधिकार।

1 कुरिन्थियों 7 :7 में ब्रह्मचर्य। ब्रह्मचर्य का उपहार। यौन इच्छा न रखने का अनुग्रह और इसलिए उस संबंध में कोई ज़रूरत नहीं है। यह एक उपहार है।

यह कोई ऐसी चीज़ नहीं है जिसे आप चुनते हैं। यह ऐसी चीज़ है जो आपको चुनती है। पैसा उदारता से दिया जाता है।

रोमियों और कुरिन्थियों में आध्यात्मिक उपहारों का उल्लेख इनमें से कुछ अन्य ग्रंथों में भी किया गया है। ये शब्द केवल रोमियों 1 11 में एक साथ आते हैं। यही एकमात्र स्थान है।

उपरोक्त के प्रकाश में, तथाकथित आध्यात्मिक उपहार वे विश्वासी हैं जो शरीर के भीतर उन कार्यों को प्रदर्शित करते हैं, उद्धृत करते हैं, और अनुग्रहपूर्वक सक्रिय करते हैं जो शरीर के लाभ के लिए आध्यात्मिक चर्च गतिविधियों के आत्मा के प्रबंधन की विशेषता रखते हैं। अब यह एक बड़ा शब्द है। मैं जो कुछ भी करता हूँ उसे स्रोतों से जोड़ने की कोशिश करता हूँ ताकि आपके पास मुझसे परे अधिकार हो।

यह मेरा यहाँ निर्मित वाक्य है, लेकिन मुझे लगता है कि यह एक अच्छा वाक्य है। शरीर के भीतर अनुग्रहपूर्वक ऊर्जा से भरे कार्य जो शरीर के लाभ के लिए आध्यात्मिक चर्च गतिविधियों के आत्मा के प्रबंधन की विशेषता रखते हैं। ठीक है, तो यह उस परिभाषा को थोड़ा और गहराई से ले जाता है।

अब, आइए उपहारों की सूची के बारे में बात करते हैं। यहाँ भी, बहुत कुछ नहीं है। हमारे पास नए नियम में उपहारों की चार सूचियाँ हैं, और हमारे पास कुछ संदर्भ हैं जो गैर-सूचियों के हैं, और मैं उनका भी उल्लेख करूँगा।

मुझे आपको यहाँ यह बताना चाहिए कि नए नियम में सूची का मुद्दा बहुत आम है। यह आपके विचार से ज़्यादा आम हो सकता है क्योंकि आप उन्हें पढ़ते हैं, लेकिन नया नियम अकेला नहीं है। प्लेटो, सुकरात और यूनानी लेखक, वे सूचियों का उपयोग करना पसंद करते हैं।

वास्तव में, नया नियम लिखे जाने से पहले, ग्रीक नैतिक साहित्य में कई सद्गुण सूचियाँ और दुर्गुण सूचियाँ इस्तेमाल की जाती थीं। नया नियम भी आता है और बिल्कुल वही काम करता है। मेरे पास आत्मा के फल पर व्याख्यानों की एक श्रृंखला है, जो लगभग 10 घंटे की है।

अगर आप इसे देखना चाहते हैं, तो आप मेरी वेबसाइट www.gmedors.com पर जा सकते हैं, और टीचिंग के अंतर्गत, आप इसे विस्तृत कर सकते हैं और इसे पा सकते हैं। मेरे पास संक्षिप्त वीडियो की एक श्रृंखला है, लेकिन उसके बाद, मेरे पास एक घंटे के व्याख्यान हैं। मेरे पास इसके लिए नोट्स भी हैं।

मैं इस पर बाइबल या बाइबल सीखने के सत्रों में से एक करने की उम्मीद करता हूँ, लेकिन सूची एक बड़ी चीज़ है। सद्गुणों की सूची, दुर्गुणों की सूची, और यहाँ हमारे पास वह है जिसे हम उपहारों की सूची कहते हैं। 1 कुरिन्थियों 12, 8 से 10, हम देखने जा रहे हैं।

ध्यान दें कि यह सूची कैसे बनाई गई है। हम बाद में इस पर वापस आएंगे। मैंने इसे जानबूझकर इस तरह से रखा है।

फिर, 1 कुरिन्थियों 12:28, एक और सूची, और आप देखेंगे कि इनमें से कोई भी सूची समान नहीं है। उनमें कुछ विशिष्ट, कुछ समान शब्द हो सकते हैं, लेकिन उनका अनुक्रम कभी भी समान नहीं होता। एक सूची को दूसरी सूची के अनुरूप नहीं बनाया जा सकता।

रोमियों 12:6 से 8 एक सूची है। फिर से, कुछ आइटम हमने देखे हैं, कुछ आइटम जो अलग हैं, लेकिन यह लगभग यादृच्छिक लगता है कि इफिसियों 4 एक बहुत ही अलग सूची है। यह कार्यों की सूची नहीं है, बल्कि लोगों की सूची है, जो लोग कुछ करते हैं।

बहुत से लोग इफिसियों 4 को उन लोगों की सूची के रूप में देखते हैं जिन्हें परमेश्वर ने उपहार दिया है। फिर से, परमेश्वर को श्रेय देते हुए, उपहार कैसे? जीवन और उस बिंदु तक की उनकी यात्रा के द्वारा उपहार। पॉल को देखें।

उन्हें नए नियम में इतना महत्वपूर्ण व्यक्ति क्यों चुना गया? क्योंकि पॉल सेमिनरी में गया था। क्या यह प्यारा नहीं है? आपको यह पसंद है, है न? हाँ, उसने गमलिएल और अन्य लोगों के साथ डॉक्टरेट कार्यक्रम लिया था, संभवतः 12 साल की उम्र में यरूशलेम में रहते हुए। वह पूरी तरह से शिक्षित था।

वह तैयार था। वह सेप्टुआजेंट जानता था। वह दूसरे मंदिर के यहूदी साहित्य को जानता था।

वह हिब्रू में पुराने नियम को जानता था। परमेश्वर को ऐसे ही किसी व्यक्ति की आवश्यकता थी, और उसने उसे चुना, और उसे दमिश्क के मार्ग पर ऐसा करने के लिए इस तरह से कार्य करना था। यह दिलचस्प है, है न? तो, हमारे पास इफिसियों 4:11 है। वैसे, इफिसियों 4 का संदर्भ संतों को सेवकाई के कार्य के लिए, शरीर के निर्माण के लिए, और हम सभी को परमेश्वर के पुत्र के विश्वास और ज्ञान की एकता में आने के लिए तैयार करना है।

तो, चार सूचियाँ हैं। बस इतना ही है। अब, कुछ गैर-सूची संदर्भ हैं।

रोमियों 1:11, जिसके बारे में हम बात कर चुके हैं, जहाँ दोनों शब्द संयुक्त हैं। पॉल कहते हैं, मैं तुम्हें कुछ आध्यात्मिक उपहार देना चाहता हूँ। रोमियों 11:29 में इस्राएल के विशेषाधिकार का उल्लेख है, न कि उपहारों की वर्तमान श्रेणी का।

1 कुरिन्थियों 1:7, ताकि आपको किसी भी आध्यात्मिक उपहार की कमी न हो। इस पुस्तक का प्रस्तावना भाग जिसमें हम अभी हैं। 2 कुरिन्थियों 1:11, किंग जेम्स वर्शन, एक उपहार के रूप में प्रस्तुत करता है, लेकिन एक आशीर्वाद या अनुग्रह होना चाहिए।

लेकिन यह एक अनुवाद का मुद्दा है। 1 तीमुथियुस 4:14, अपने में जो वरदान है, उसकी उपेक्षा न करें। और पौलुस अपने शिष्य तीमुथियुस से इस बारे में बात करता है।

2 तीमुथियुस 1:6, अपने भीतर मौजूद उपहार को फिर से जगाएँ। पादरी का काम काफी दिलचस्प है क्योंकि वे बहुत व्यक्तिगत हैं, और तीमुथियुस के अपने संघर्ष सतह पर आते हैं। 1 पतरस 4:10, अच्छे प्रबंधकों की तरह, आप में से प्रत्येक को जो भी उपहार मिला है, उसके साथ एक दूसरे की सेवा करें।

इनके बारे में बहुत चर्चा हुई, लेकिन कोई अन्य सूची नहीं। यह माना जाता है कि लोग कार्य करते हैं, और आप इस नामकरण का उपयोग केवल संदर्भित करने, कार्य करने और अपना काम करने के लिए कर सकते हैं, जो कि मुद्दा है। अब, क्योंकि इफिसियों 4 थोड़ा विशेष है, मैं पृष्ठ 182 पर इसके बारे में थोड़ा और बात करना चाहता हूँ।

इफिसियों 4:1 पत्र के नैतिक भाग के अनुप्रयोग की शुरुआत करता है। क्या आपने कभी गौर किया है कि पौलुस के ज़्यादातर पत्र आधे धर्मशास्त्र और आधे नैतिकता के हैं। हमने इसे सिद्धांत और व्यवहार कहा है।

हमने इसे बहुत सी बातें कही हैं। लेकिन धार्मिक रूप से, पॉल के हर पत्र में आधा-आधा है। अगर आपके पास चार अध्याय हैं, तो पहला और दूसरा धार्मिक आधार होगा, और तीसरा और चौथा उनका अनुप्रयोग, अभ्यास होगा।

यदि छह अध्याय हैं, तो यह तीन और तीन होगा। इफिसियों 4 इफिसियों के छह अध्यायों के अंतिम आधे भाग से शुरू होता है, और अंदाज़ा लगाइए क्या? यह अब आप जो करते हैं उसके अनुप्रयोग से शुरू होता है क्योंकि आपने ये बातें सीख ली हैं। यह दिलचस्प है।

मेरे पास एक प्रतिमान है जहाँ मैं यह कहने की कोशिश करता हूँ कि यह पॉल का मॉडल है। विश्वास धर्मशास्त्र है, प्रेम नैतिकता है, आशा परलोक विद्या है। मुझे लगता है कि पॉल के पत्र ऐसे ही हैं क्योंकि विश्वास, प्रेम और आशा पूरी चीज़ में एकीकृत हैं।

यहाँ इस पर विचार नहीं किया जा सकता। शायद किसी और समय किसी और जगह इस पर विचार करना पड़े। इसलिए, इफिसियों 4:1 नैतिकता अनुभाग के अनुप्रयोग की शुरुआत करता है।

इफिसियों 4:1-16 आत्मा की एकता और शांति के बंधन को बनाए रखने का आह्वान है। वह क्या है? 1-6 एकता का आधार है, और त्रिएकता एकता का आदर्श है। 7-16 जोर देता है कि दुनिया में अपने काम के लिए चर्च को सुसज्जित करने के लिए व्यक्तियों, लोगों और अधिकारियों को परमेश्वर द्वारा उपहार देना एकता प्राप्त करने का साधन है।

दिन के अंत में, आप एकता कैसे प्राप्त करते हैं इसका उत्तर शिक्षा है। आपके पास पादरी और शिक्षक हैं, और वे समुदाय को शिक्षित करते हैं ताकि समुदाय मंत्रालय का काम कर सके। ईसाई धर्म ग्रह पर सबसे अधिक मन-उन्मुख धर्मों में से एक है।

और फिर भी, हमने इसे एक भावनात्मक-उन्मुख धर्म में बदल दिया है। लोग मन को छोड़ देंगे ताकि वे गतिविधि कर सकें। खैर, अगर आप ऐसा करते हैं, तो आपने जो कुछ भी किया है उसकी क्षमता और गहराई को खत्म कर दिया है।

आप मन और क्रियाकलाप को अलग-अलग नहीं कर सकते। वे एक साथ हैं। यही बाइबिल में इसकी प्रस्तुति है।

चर्च को सुसज्जित करने के लिए व्यक्तियों को उपहार देना ही वह तरीका है जिससे आप एकता प्राप्त करते हैं। हम सभी को मसीह से अपने संबंध के द्वारा चर्च में एक कार्य को पूरा करने के लिए उपहार दिया गया है। 4:7 पौलुस भजन 68 के उपयोग में एक सादृश्य प्रमाण पाठ द्वारा उपहार को मान्य करता है और इसमें एक क्राइस्टोलॉजिकल मोड़ है।

आपको इसे देखने जाना होगा। आरोहण और अवरोहण का तात्पर्य मसीह के अवतार और स्वर्गारोहण से है। इफिसियों 4:11-16 में उन प्रतिभाशाली व्यक्तियों के समूह पर ध्यान केंद्रित किया गया है जो सेवकाई का कार्य करने के लिए विश्वासियों को सुसज्जित करने के लिए जिम्मेदार हैं।

चर्च एक सुसमाचार प्रचार हॉल नहीं है। यह एक सुसज्जित केंद्र है। आप आते हैं, सुसज्जित होते हैं, आप बाहर जाते हैं और सुसमाचार प्रचार कार्य करते हैं, और फिर आप उन लोगों को अंदर लाते हैं ताकि वे बाहर जाकर उस कार्य को करने के लिए सुसज्जित हो सकें।

अमेरिका और अमेरिकी चर्च के सांस्कृतिक विकास में, इसके एक बड़े हिस्से ने चर्च को एक सुसमाचारी हॉल में बदल दिया। उन्होंने लोगों को मसीह के पास लाने में एक महान उद्देश्य हासिल किया, लेकिन जब वे उन्हें मसीह के पास लाए, तो उन्होंने उनके साथ कुछ नहीं किया। कुछ लोगों ने कोशिश की, लेकिन शायद अमेरिकी चर्च में अब हम जिस गड़बड़ी में हैं, वह चर्च में शैक्षिक उद्देश्य की कमी का परिणाम है।

मैं अपने जीवन में बहुत से मेगा चर्चों में गया हूँ, और मुझे मेगा चर्चों में यह बात बिल्कुल आश्चर्यजनक लगी कि उनके पास कोई शैक्षिक योजना नहीं है। उनके पास हिट-एंड-मिस संडे स्कूल हैं। उनके पास ऐसे संडे स्कूल हैं जो मण्डली को शिक्षित करने के बजाय महसूस की गई ज़रूरतों को पूरा करने के लिए तैयार हैं, अगर उनके पास संडे स्कूल हैं भी।

हमारे साथ क्या हुआ? शैक्षिक मिशन कहाँ चला गया? क्या आपने कभी गौर किया है कि बड़े चर्चों में जिनके पास कर्मचारियों को काम पर रखने के लिए संसाधन हैं, आपके पास वरिष्ठ पादरी हैं, आपके पास प्रशासनिक पादरी हैं, आपके पास युवा पादरी हैं, आपके पास वरिष्ठ पादरी हैं, आपके पास विवाहित जोड़े पादरी हैं, दा-दा, दा-दा, दा-दा, मेरे कुछ पूर्व छात्रों के लिए। विद्वान पादरी कहाँ है? शैक्षिक पादरी कहाँ है? वह व्यक्ति कहाँ है जो न केवल प्रतिभाशाली है, बल्कि पढ़ाने के लिए प्रशिक्षित है, जो वरिष्ठ पादरी को शिक्षित कर सकता है, जो शायद खुद पर्याप्त रूप से शिक्षित नहीं था? बहुत कम चर्चों में वह श्रेणी है, क्योंकि हमने शैक्षिक मिशन खो दिया है। तो, यह प्रतिभाशाली व्यक्तियों का एक समूह है जो विश्वासियों को मंत्रालय का काम करने के लिए तैयार करने के लिए जिम्मेदार है, और यह तैयार करना रोमियों 12:1, और 2 में शुरू होता है। उन्हें एक परिवर्तित मन प्राप्त करना होगा ताकि वे ईसाई संदेश के स्वामित्व को प्राप्त कर सकें और दूसरों को अर्थपूर्ण और गहराई से दोहराने में सक्षम हो सकें।

इसके बिना, आप खुद को कायम नहीं रख सकते। आप सुसज्जित होने के लिए आते हैं। आप दूसरों को लाने के लिए बाहर जाते हैं।

अब, ये सूचियाँ हैं। इफिसियों। इफिसियों एक महान पुस्तक है।

वास्तव में, कुछ लोगों ने कहा है कि इफिसियों में रोमियों की पुस्तक से भी ज़्यादा पॉलिन धर्मशास्त्र के बारे में बताया गया है। यह आश्चर्यजनक है। अगर आप कभी इफिसियों का अध्ययन करना चाहते हैं, तो मैं आपको हेरोल्ड होनर की एक टिप्पणी की सलाह दूंगा।

होहेनर। हेरोल्ड होहेनर। हेरोल्ड डलास थियोलॉजिकल सेमिनरी में लगभग 50 वर्षों तक प्रोफेसर रहे, ऐसा मुझे लगता है।

अब वह मर चुका है। वह एक बहुत ही अच्छा इंसान था। मैं उसे जानता था, और जो भी उसे जानता था, वह उससे प्यार करता था।

वह एक सम्मानित व्यक्ति थे। वह एक अच्छे विद्वान थे, और उन्होंने इफिसियों पर एक शानदार पुस्तक लिखी। उस पुस्तक में बहुत सारे सवाल अनुत्तरित नहीं छोड़े गए हैं।

मुझे लगता है कि यह बेकर द्वारा प्रकाशित है। इफिसियों पर हेरोल्ड होनर। आप इसे समझ सकते हैं, और आपके पास कुछ ऐसा होगा जो आपको इफिसियों की पुस्तक में अच्छी तरह से काम करने के लिए तैयार कर सकता है, और इसके अलावा, यह पठनीय है।

कुछ टिप्पणियाँ पढ़ने योग्य नहीं हैं क्योंकि वे केवल संदर्भ के लिए हैं। बस संदर्भ। अब, होनर निश्चित रूप से संदर्भ के लिए है, लेकिन यह इतना पठनीय भी है कि आप इसे पढ़ सकते हैं, और अन्य भी हैं।

सूची का दर्शन। अब, जब आप सूचियों और इन व्यक्तिगत सूचियों के बारे में सोचते हैं, तो आप उनके बारे में कैसे सोचते हैं? खैर, सबसे पहले, आपको इन विचारों के बारे में सोचना होगा। तो चलिए शुरू करते हैं।

कोई भी सूची कभी भी पूरी नहीं होती, इसलिए किसी एक सूची के घोड़े पर सवार होकर ऐसा न सोचें कि यह आपके जीवन का अंत है। ऐसा नहीं है। कोई भी सूची अपने आप में पूरी नहीं होती।

इसके अलावा, कोई भी सूची, और मुझे लगता है कि हमने किसी भी सूची में s को हटा दिया है, अपने स्वयं के संदर्भ में एक उद्देश्य की पूर्ति के लिए डिज़ाइन की गई है। हर सूची, किसी न किसी अर्थ में, संदर्भ के अनुसार निर्धारित होती है। यार, कुछ बेहतरीन सूचियाँ हैं।

आत्मा का फल एक बहुत बढ़िया सूची है। 2 तीमुथियुस अध्याय 1 की आयत 5 से 7 में एक सूची है जो मुझे बहुत पसंद है, और ये दोनों अध्याय प्रेम के मुद्दे से निपटते हैं, और दोनों में प्रेम को अंत में रखा गया है। ओह, वास्तव में, फल पहले स्थान पर है।

और इसलिए, गलातियों में क्या है? तो, इन सूचियों में एक बहुत बड़ा डिज़ाइन है। उनमें से कुछ न्यायसंगत हैं, और उनमें से कुछ आपको बेतरतीब लगते हैं। हो सकता है कि आप डिज़ाइन की व्याख्या न कर सकें, और फिर आपको कुछ ऐसे मिलते हैं जो इतने डिज़ाइन किए गए हैं कि वे आपको चौंका देते हैं। नतीजतन, एक ही विषय की सभी सूचियों की तुलना करनी होगी।

इसलिए, यदि आप जानना चाहते हैं कि उपहार क्या हैं, तो आपको उन सभी सूचियों को देखना होगा, साथ ही उन सूचियों को भी देखना होगा जहाँ आपके पास सूची नहीं थी, लेकिन संदर्भ था। लेकिन इस पर ध्यान दें, बुलेट नंबर चार डालें। एक ही विषय की सभी सूचियों का योग जरूरी नहीं है कि आपके पास पूरी सूची हो।

तो, आगे बढ़िए और नए नियम में आपको जो भी उपहार मिल सकते हैं, उन्हें लीजिए और अपने लिए एक प्रश्नोत्तरी बनाइए ताकि पता चल सके कि लोगों का उपहार क्या है, और हो सकता है कि आप यह न जान पाएं कि उनका उपहार क्या है क्योंकि चर्च में मसीह की सेवा करने का उनका स्वाभाविक उपहार शायद वह हो जो नए नियम की सूची में नहीं है। हो सकता है कि वे संडे स्कूल अधीक्षक बनने के योग्य हों। हो सकता है कि वे दुनिया के सबसे अच्छे चौकीदार हों, और उन्हें यह काम करना पसंद हो।

शायद वे एक सहायक हैं। आप जानते हैं, एक अच्छा सहायक कई अलग-अलग कारणों से ईश्वर द्वारा दिया गया वरदान है। शायद वे कोई ऐसा व्यक्ति हो जो सेवा का प्रबंधन करता हो।

एक अच्छा गीत नेता एक उपहार है। मुझे यकीन नहीं है कि पूजा दल उपहार हैं। माफ़ करें, मैं बस थोड़ा व्यंग्य कर रहा हूँ।

सेवा का एक अच्छा नेता एक उपहार है। इसलिए, जैसे-जैसे संस्कृति बदलती है, मण्डली की ज़रूरतें बदलती हैं। इसलिए, उपहार हमेशा समुदाय में ज़रूरत की श्रेणियों में विस्तारित होते रहते हैं।

उपहारहीनता को नए नियम में संदर्भ ढूंढकर साबित करने की ज़रूरत नहीं है। लेकिन एक व्यक्ति के काम करने के तथ्य को स्वीकार करके ही हम चर्च के काम करने के तरीके को बेहतर बना सकते हैं। अमेरिकी संस्कृति में बहुत से चर्चों में विज़िटेशन प्रोग्राम होते हैं।

वह खत्म हो गया है। कुछ कारण संस्कृति और लोगों तक पहुंच के कारण हैं। हांगकांग में, आप वहां नहीं जा सकते क्योंकि ऊंची इमारतों में ऐसा करना गैरकानूनी है।

तो, कम से कम मुझे जो बताया गया है, और इसलिए, आपके पास अपनी वर्तमान स्थिति के अनुसार समायोजित होने के तरीके हैं। लेकिन, कुछ लोग ऐसे भी होते हैं जो आपके चर्च में आए लोगों से मिलने में माहिर होते हैं।

और, वे अंदर जा सकते हैं और आक्रामक नहीं हो सकते, और खुश रह सकते हैं, और उन लोगों को आने के लिए प्रेरित कर सकते हैं। मैं एक उदाहरण का उपयोग करना पसंद करता हूँ, आप घोड़े को पानी तक ले जा सकते हैं, लेकिन आप उसे पानी पिला नहीं सकते। हालाँकि, उदाहरण के लिए, आपका काम उन्हें प्यासा बनाना है।

अगर उन्हें प्यास लग जाए तो वे पी लेंगे। कुछ लोग पापियों को भगवान की तलाश करने के लिए प्यासा बनाने में माहिर होते हैं। मैंने यह देखा है।

मैं इस तरह से प्रतिभाशाली नहीं हूँ। लेकिन, मेरे कुछ दोस्त हैं, और मैंने मंत्रालयों में भी काम किया है, जहाँ मेरे बॉस इस मामले में बहुत प्रतिभाशाली थे। यह जानकर आप हैरान रह जाएँगे।

वे बस ऐसे ही थे। तो, यह बंदोबस्ती, और उपहार, और चर्च के तहत काम करने की बात, ये अभिव्यक्तियाँ वही हैं जो आत्मा चाहती है। लेकिन, कई बार, आत्मा हमें वैसे ही लेती है जैसे हम हैं और उस संबंध में हमारा उपयोग करती है।

तो, इन सबका योग दिन का अंत नहीं है। इसके अलावा, आप अपने सांस्कृतिक संदर्भ में अपने चर्च के लिए आध्यात्मिक उपहारों की सूची में क्या जोड़ेंगे? यह एक बढ़िया चर्चा होगी। आप क्या जोड़ेंगे? यदि आप एक स्टार्टअप चर्च हैं, और आपके पास एक या दो व्यक्ति हैं जिन पर आप भरोसा कर सकते हैं कि स्कूल ऑडिटोरियम को आपकी सुबह की सेवा के लिए पुनर्गठित किया गया है, तो आपको इसके बारे में चिंता करने की ज़रूरत नहीं है।

यह ईश्वर की कृपा है। यह एक उपहार है कि कोई व्यक्ति इतना जिम्मेदार और प्रतिभाशाली है कि वह ऐसा कर सके। ध्वनि एक उपहार है।

लेकिन, यह क्या है? यह एक कार्य है। यह एक कौशल सेट है जो कुछ लोगों के पास होता है, और दूसरों के पास नहीं। पावरपॉइंट।

तो लीजिए, टेक्नोलॉजी। ये ऐसी चीजें हैं जो हमारे मौजूदा चर्चों में बहुत महत्वपूर्ण हैं।

संगीतकार। वाह। प्रतिभा की बात करें। एक अच्छा संगीतकार सोने के बराबर होता है। और इसलिए, बाइबल में सूची का एक दर्शन है, आपको इसमें शामिल होना होगा, और आपको शायद कुछ रूढ़िवादिता को छोड़ना होगा जो आपको प्रतिभा की प्रकृति के बारे में गुमराह करती है। अब, इस डेटा के प्रकाश में अवलोकन जिस पर हम काम कर रहे हैं।

पृष्ठ 182 के नीचे। सबसे पहले, ध्यान दें कि उपहार वे कार्य हैं जो चर्च की गतिविधियों को पूरा करते हैं और बढ़ाते हैं। ये कार्य चर्च की छत्रछाया में हैं, और चर्च का संचालन आत्मा द्वारा किया जाता है।

परिणामस्वरूप, उन्हें आत्मा के कार्य के संबंध में चित्रित किया जाता है। आपको विश्लेषण करने की आवश्यकता नहीं है, और आपको यह मांग करने में बहुत अधिक तनाव नहीं लेना चाहिए कि यह पवित्र आत्मा था और छत्र के नीचे चीजों का केवल प्राकृतिक क्रम नहीं था। इसके बारे में सावधान रहें।

2a. कुछ उपहार चमत्कारी होते हैं और इसलिए, ईश्वर की ओर से सीधे उपहार होते हैं। कुछ उपहार व्यक्तियों के साधारण कार्य होते हैं जो, उदाहरण के लिए, दूसरों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिभाशाली होते हैं।

प्रोत्साहन का उपहार। मेरे पास आलोचना का उपहार है। मुझे लगता है कि यह शिक्षक होने का एक हिस्सा है।

मैं कभी भी प्रोत्साहन देने में बहुत अच्छा नहीं रहा हूँ। मुझे आपके पेपर को ग्रेड करने और आपको यह दिखाने के लिए भुगतान किया गया था कि आप कैसे बेहतर कर सकते हैं। मुझे आपको सी-लेवल का काम करने के लिए इनाम देने के लिए नियुक्त नहीं किया गया था।

मैं इसके लिए आपको डांटूंगा, ठीक है? इस संबंध में, ईसाई बनने से पहले एक व्यक्ति के कौशल और चरित्र भी इस नए आध्यात्मिक संदर्भ में भगवान और समुदाय की सेवा कर सकते हैं और इस प्रकार इसे आध्यात्मिक उपहार कहा जा सकता है। 3a. वर्तमान चर्च में चमत्कारी प्रकार के उपहारों की भूमिका तय करना बहुत बहस का विषय है।

हम इस बारे में और बात करेंगे, और इस प्रश्न पर हमारे पाठ व्याख्यान के अंत में मेरा एक पूरा व्याख्यान है। एक किताब है जो अब पुरानी हो चुकी है और शायद उसे फिर से लिखने की ज़रूरत है, वेन गुडेम, संपादक द्वारा लिखी गई हमारी चमत्कारी भेंटें, और मेरा मानना है कि उस किताब में चार दृष्टिकोण हैं, और इससे आपको इस चर्चा को शुरू करने में मदद मिलती है, लेकिन यह किताब अब पूरी नहीं है क्योंकि यह पुरानी हो चुकी है। 4बी.

सभी सूचियाँ संदर्भ के अनुसार निर्धारित होती हैं, और इसलिए, कोई भी सूची या यहाँ तक कि सूचियों का योग भी आवश्यक रूप से पूर्ण नहीं होता। परिणामस्वरूप, चर्च बदलती सांस्कृतिक स्थितियों और निकाय की ज़रूरतों के आधार पर उपहार का विस्तार करना जारी रखता है। 5. चर्च अपने सदस्यों के उपहारों की पहचान कैसे करता है? आप कैसे जानते हैं कि आपका उपहार क्या है? आप कैसे जानते हैं कि किसी और का क्या है? सबसे पहले, मंत्रालय के संदर्भ की ज़रूरतों के बारे में आलोचनात्मक सोच एक मण्डली के लिए एक बड़ी बात है। बैठकर इस बारे में कुछ आलोचनात्मक सोच करना कि मण्डली को क्या चाहिए, महत्वपूर्ण है।

मैं अभी एक चर्च प्लॉट के बारे में जानता हूँ, और यह काम नहीं कर रहा था, और उन्हें अपने पादरी को छोड़ना पड़ा। उनके पास कुछ प्रतिभाएँ थीं, लेकिन वे प्रतिभाएँ नहीं थीं जिनकी उन्हें ज़रूरत थी, और अब वे खुद को फिर से ढाल रहे हैं। मेरा एक दोस्त है जो चर्चों को यह सोचने में मदद करने में प्रतिभाशाली है कि वे कौन हैं और उन्हें मंत्रालय के लिए खुद को कैसे तैयार करना चाहिए। मेरा यह दोस्त कई पुस्तकों का एक बेहद कुशल लेखक है और यह काम मुफ्त में करता है। आपको बस इतना करना है कि उसके हवाई जहाज का किराया चुकाएँ और उसे ठहराएँ, और वह इसका ध्यान रखेगा।

यह कितनी बड़ी मदद है, कितना बड़ा उपहार है, लेकिन मैं इस चर्च से यह नहीं करवा सकता। उन्हें लगता है कि वे जानते हैं कि उन्हें क्या चाहिए। उन्हें लगता है कि वे जानते हैं।

कभी भी यह सोचकर धोखा न खाएं कि आप बिना मदद के सब कुछ जानते हैं। इसीलिए भगवान ने हमें एक समुदाय दिया है, और एक संयुक्त समुदाय के रूप में उनका समुदाय उनसे अधिक ऊँचा नहीं उठ सकता। उन्हें किसी ऐसे व्यक्ति की ज़रूरत है जो उन्हें चीज़ों को देखने में मदद

करे, उन्हें जो चाहिए उसे खोजने में मदद करे, वास्तव में उनकी प्रतिभाओं को खोजने में मदद करे, और उन्हें कुछ क्षेत्रों में आगे बढ़ने और अन्य क्षेत्रों में पर्याप्त होने में मदद करे।

आप खुद ऐसा नहीं करते। आपको मदद की ज़रूरत है। हर किसी को मदद की ज़रूरत होती है, चाहे आप कोई भी हों।

इसलिए, आलोचनात्मक सोच स्वाभाविक रूप से नहीं होती। इसे करने के लिए किसी कुशल व्यक्ति की आवश्यकता होती है, दूसरे, शरीर के भीतर पूजा और काम करते समय सदस्यों के कार्य करने के तरीके का अवलोकन करके।

बस अपने आस-पास देखिए। मण्डली में व्यस्त हो जाइए, और फिर देखिए क्या होता है। देखिए कि कौन ज़रूरत के हिसाब से आगे बढ़ता है और उसे पूरा करता है।

अपनी आलोचनात्मक सोच में सतर्क रहें। आप अपनी प्रतिभा की घोषणा नहीं करते। शरीर आपकी प्रतिभा की पुष्टि करता है।

आप कह सकते हैं, मुझे लगता है कि मेरे पास यह प्रतिभा है, लेकिन यह आप नहीं हैं जो तय करते हैं कि आपके पास यह प्रतिभा है। यदि आप कहते हैं, मुझे लगता है कि मेरे पास यह प्रतिभा है, और आपका अगला कदम उस मण्डली से यह कहना है, क्या आपको लगता है कि मेरे पास यह प्रतिभा है? मैं ऐसे लोगों को जानता हूँ जो संडे स्कूल में पढ़ाने के लिए बेताब थे। उन्हें लगता था कि वे एक प्रतिभाशाली शिक्षक हैं, और उन्होंने एक चौथाई के मामले में 40 की कक्षा को घटाकर 10 कर दिया।

खैर, वे एक प्रतिभाशाली शिक्षक नहीं थे। उन्हें पुनर्व्यवस्थित करना पड़ा। उन्हें आलोचनात्मक रूप से यह देखने में मदद करनी पड़ी कि यह उनकी प्रतिभा नहीं थी।

तीसरा, परमेश्वर द्वारा नियुक्त नेतृत्व को पहचानना। इफिसियों 4:11. नेतृत्व की आवश्यकता है। हम सभी पादरी नहीं हैं।

मैंने चर्च के बोर्ड देखे हैं जिन पर लिखा है, मण्डली की सेवा करो। नहीं, यह सही नहीं है। उस मण्डली में हर कोई आधिकारिक सेवा के तहत किए जाने वाले काम करने के लिए सक्षम नहीं है।

अब, हर कोई लोगों की सेवा करता है, लेकिन यह उस शब्द को पानी की रेखा से नीचे ले जाता है। कुछ व्यक्तियों को नेतृत्व करना पड़ता है। अब, एक पापी क्षेत्र में नेतृत्व में जाँच और संतुलन होना चाहिए, और यह बहुत जल्दी खराब हो सकता है, लेकिन तथ्य यह है कि भगवान ने लोगों को नेतृत्व करने के लिए दिया है।

उन्हें उभरना होगा। उन्हें पहचाना जाना होगा। उनकी बात सुनी जानी होगी।

उन्हें कभी-कभी प्रेरित भी किया जाना चाहिए, लेकिन यह शैक्षिक प्रक्रिया ही है जो ऐसा होने देती है - ईश्वर द्वारा नियुक्त नेतृत्व को पहचानना। सिर्फ इसलिए कि कोई कहता है कि वे ईश्वर द्वारा नियुक्त हैं, या यहाँ तक कि चर्च भी कहता है कि उन्हें ऐसा करने के लिए नियुक्त किया गया है, अगर वे इसमें गड़बड़ी करते हैं, तो आपको उन्हें चुनौती देनी होगी।

फिर से, 1 तीमुथियुस 3 के अनुसार, आप चर्च को यह नहीं बताते कि आप कौन सा पद धारण करना चाहते हैं। आप कहेंगे, ठीक है, मैं सेवकाई चाहता हूँ। बाइबल कहती है कि अगर कोई व्यक्ति पादरी बनना चाहता है, अच्छा काम करना चाहता है, तो बाकी का हिस्सा पढ़ें।

फिर, चर्च आपको बताता है कि आपकी इच्छा वैध है या नहीं। आप चर्च को यह नहीं बताते कि आप कौन सा पद धारण करना चाहते हैं। वे आपको बताते हैं कि आप किस पद को धारण करने के योग्य हैं।

यही एक समुदाय की ताकत है, लेकिन यह एक ऐसा समुदाय होना चाहिए जो सिर्फ भावनाओं से नहीं बल्कि सोच-समझकर काम करे। आपको आलोचनात्मक सोच रखनी होगी। आपको चौकन्ना रहना होगा।

और आपको खुद से बाहर खड़े होकर यह देखने में सक्षम होना चाहिए कि आपकी ताकत और कमजोरियाँ क्या हैं। आप इसकी इच्छा कर सकते हैं, लेकिन चर्च ही वह है जो आपको बताता है कि आप हैं या नहीं। अमेरिकी ईसाई धर्म की निजी और स्वतंत्र मानसिकता ने उपहारों के इस पूरे मुद्दे का भयानक रूप से दुरुपयोग किया है।

हम सोचते हैं कि उपहार देना हमारा निर्णय है, लेकिन यह हमारा निर्णय नहीं है। यह परमेश्वर की इच्छा है और सेवकाई के संदर्भ में चर्च की मान्यता है। यह मत पूछिए कि आपका उपहार क्या है।

बस व्यस्त हो जाओ। कुछ करो और देखो कि वह कैसे सामने आता है। नए नियम में ऐसा ही किया गया था।

वास्तविक दुनिया में भी, यहाँ तक कि व्यापारिक दुनिया में भी, ऐसा ही होता है। आप उस बड़ी इमारत में एक पुरुष व्यक्ति के रूप में शुरुआत करते हैं, और आपकी प्रतिभा और आपकी ईमानदारी आपको स्वाभाविक रूप से गतिविधि और जिम्मेदारी की उस सीढ़ी पर चढ़ने में मदद करती है, इसलिए नहीं कि आप इसकी मांग कर रहे हैं। 1 तीमुथियुस 3, आप इच्छा कर सकते हैं, लेकिन चर्च मूल्यांकन के द्वारा नियुक्त करता है।

यह उपहारों का एक प्रकार का अवलोकन है। जैसा कि हम इस अध्याय को शुरू करते हैं, हम पृष्ठ 183 पर अगले व्याख्यान पर वापस आएंगे और विशेष रूप से देखेंगे कि पाठ इन मुद्दों को कैसे उजागर करता है, विशेष रूप से ऐसे संदर्भ में जहाँ पॉल को कुछ सुधार करने पड़ते हैं। आपका दिन शुभ हो।

यह डॉ. गैरी मीडर्स द्वारा 1 कुरिन्थियों की पुस्तक पर दी गई शिक्षा है। यह व्याख्यान 28, 1 कुरिन्थियों 12-14, आध्यात्मिक उपहारों से संबंधित प्रश्नों पर पॉल का उत्तर है। 1 कुरिन्थियों 12-14 का परिचय।